हरिभूमि
# रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 18 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 34 .0 डिग्री
न्यूनतम 25 .2 डिग्री

11 अंडर-17 बॉयज सिंगल्स के विजेता बने रोहतक ...

12 जैन सभा का चुनाव सम्पन्न, रवि जैन बने प्रधान

## खबर संक्षेप

### थैलेसीमिया से प्रभावितों के लिए रक्तदान शिविर आज

**रोहतक।** उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि रक्त कोष में रक्त की कमी ना रहे इसके लिए जिला रेडक्रॉस समिति एवं सेंट जोन एंबुलेंस द्वारा 18 अगस्त को सुबह नौ बजे रेडक्रॉस भवन में थैलेसीमिया से प्रभावित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में जिला के 25 से अधिक गांव के 50 से अधिक युवा अपना रक्तदान करेंगे।

### कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए पोर्टल पर करें आवेदन

**रोहतक।** उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया है कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए फसल अवशेष प्रबंधन कृषि यंत्रों पर अनुदान उपलब्ध करवाने हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इच्छुक किसान योजना का लाभ लेने के लिए विभागीय पोर्टल www.agriharyana.gov.in पर 20 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत कृषि यंत्रों पर विभाग द्वारा 50 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध करवाया जायेगा। अनुदान हेतु वही किसान पात्र होंगे, जिन्होंने मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर खरीफ-2024 एवं रबी-2025 सीजन के दौरान पंजीकरण किया हुआ होगा।

### नेशनल गेम्स के पदक विजेता करें आवेदन

**रोहतक।** उपायुक्त ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा राज्य के खिलाडिय़ों का मनोबल बढ़ाने हेतु 38वें नेशनल गेम्स-2025 में राज्य के स्वर्ण पदक, रजत पदक, कांस्य पदक विजेता तथा प्रतिभागिता करने वाले खिलाडिय़ों को सम्मानित किया जाना है। खेल विभाग द्वारा इसके लिए 38वें नेशनल गेम्स-2025 में राज्य के स्वर्ण पदक, रजत पदक, कांस्य पदक विजेता खिलाडिय़ों के आवेदन पत्र ऑनलाईन पोर्टल कैश अवार्ड मैनेजमेंट सिस्टम अर्थात सीएएमएस पर मांगे थे। अब 38वें नेशनल गेम्स-2025 में प्रतिभागिता करने वाले खिलाडिय़ों को नकद ईनाम प्रदान करने हेतु विभाग के ऑनलाईन पोर्टल कैश अवार्ड मैनेजमेंट सिस्टम अर्थात सीएएमएस पर ऑपशन डलवा दिया गया है तथा खिलाडिय़ों के ऑनलाईन आवेदन मांगे गये हैं। जिला रोहतक से सम्बन्धित खिलाड़ी 38वें नेशनल गेम्स-2025 में स्वर्ण पदक, रजत पदक, कांस्य पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी तथा पूर्व में ऑनलाइन आवेदन न करने वाले खिलाड़ी अब ऑनलाइन आवेदन भरना सुनिश्चित करें।

### फरार चल रहे दो आरोपी गिरफ़्तार

**रोहतक।** पुलिस ने धोखाधड़ी व एनडीपीएस अधिनियम के मामले में सन 2016 व 2019 से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया है। लाखनमाजरा थाना प्रभारी समरजीत सिंह ने बताया कि थाना लाखनमाजरा की टीम ने आरोपी राजेश निवासी बैंसी को एकता नगर को गिरफ़्तार किया गया है। आरोपी 6 साल से इस मामले में फरार चल रहा था। आरोपी को ठाणे महाराष्ट्र से गिरफ़्तार किया गया है। आरोपी पर जिला पुलिस द्वारा 5 हजार रुपये का इनाम घोषित है।

### ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर दावे अपलोड कर सकेंगे किसान

**महम।** उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि गत दिनों जिला में हुई बारिश से फसलों को हुए नुकसान का दावा अपलोड करने के लिए जिला प्रशासन की सिफारिश पर सरकार द्वारा महम तहसील के 14 गांवों एवं लाखनमाजरा उप तहसील के गांव के किसानों के लिए 31 अगस्त 2025 तक ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोल दिया गया है। गत दिनों हुई बारिश के कारण खरीफ फसल को हुए नुकसान का संबंधित गांवों के प्रभावित किसान 31 अगस्त तक दावा अपलोड कर सकते हैं।

# दिल्ली बाईपास से आईएमटी चौक तक की सड़क बनी जानलेवा, रोजाना हो रहे हादसे

*नेशनल हाईवे के बावजूद प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान*

*जान जोखिम में डालकर लोग यात्रा करने को मजबूर*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दिल्ली बाईपास चौक से लेकर आईएमटी चौक तक का सफर अब लोगों के लिए खतरे से खाली नहीं रह गया है। इस मार्ग पर बने विशाल गड्ढे दुर्घटनाओं को खुला निमंत्रण दे रहे हैं। चाहे कार चालक हो या दोपहिया वाहन सवार, हर कोई इन जानलेवा गड्ढों से बचने के प्रयास में खुद को जोखिम में डाल रहा है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि इस सड़क पर नियमित रूप से भारी वाहन भी गुजरते हैं, जो दुर्घटना की आशंका को और अधिक बढ़ा देते हैं। बरसात के मौसम में यह सड़क और अधिक खतरनाक बन जाती है। गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। वाहन चालकों को अंदाजा नहीं लग पाता कि पानी के नीचे कितनी बड़ी खाई छिपी हुई है। यदि तेज गति से आ रही कार या बाइक इस गड्ढे में फंस जाए, तो वाहन पलट सकता है, जिससे गंभीर जान-माल की हानि हो सकती है। बाबा मस्तनाथ मठ के सामने सड़क पर कई गहरे गडढ़े जानलेवा साबित हो रहे हैं। इनमें गिरकर लोग अपनी कमर तुड़वा रहे हैं। यहां पिछले कुछ दिनों में कई लोग गम्भीर रूप से घायल हो चुके हैं।

गांव बोहर की तरफ जाने वाली सड़क पर बना गड्ढा

सड़क के बीच में बारिश से बना गड्ढा

### दो बार बनाने के बाद खोद दी गई

हम इस सड़क को दो बार बना चुके है, लेकिन निगम ने अमरूत योजना के तहत लाइन दबाई थी, जिसके कारण वह दो बार इसे खोद चुके है, जिसके चलते यह समस्या बनी रहती है। उनके बार-बार खोदने के कारण इस सड़क का एरिया हमने निगम को सौंप दिया गया है। ताकि वह अपना काम पूरा करें और सड़क को बना सकें। -**अरूण कुमार**, कार्यकारी अभियंता, लोक निर्माण विभाग

### बाबा मस्तनाथ मठ से बोहर की तरफ जाने वाली सड़क भी धंसी

दिल्ली बाईपास की ही तरह बाबा मस्तनाथ मठ से बोहर गांव की ओर जाने वाली एचएसवीपी की सड़क भी अब ज़मीन में धंसने लगी है। यह स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि सड़क पर चलना बेहद खतरनाक हो चुका है। यहां तक कि सड़क के नीचे की मिट्टी धंसने के कारण सतह पर लंबी दरारें बन गई हैं, जो कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती हैं।

### न कोई चेतावनी बोर्ड, न कोई सुरक्षा इंतजाम

सड़क की बदतर स्थिति के बावजूद जिम्मेदार विभाग की ओर से कोई चेतावनी बोर्ड नहीं लगाया गया है। न तो कोई खतरे का संकेत, न ही कोई बैरिकेडिंग ऐसे में आने-जाने वाले लोग सीधे इन गड्ढों की चपेट में आ सकते हैं। यह लापरवाही विभाग की संवेदनहीनता को दर्शाती है। यहां से रोजाना हजारों लोगों का आवागमन होता है।

सड़क के बीच में गड्ढे में जमा पानी

### अमरूत योजना के कारण सड़क के हालात जर्जर

अमरूत योजना के तहत सड़क के हालात ऐसे बने हुए है, क्योंकि सीवर की लाइन दबाई गई और उसके लीकेज के कारण इस सड़क को अलग-अलग जगहों से दो बार खोदा जा चुका है। जिसके चलते आज सड़क कमजोर होने के कारण जगह-जगह गड्ढे बने हुए है। यह समस्या आज भी बरकरार है, जिसका खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है।

### रात में हालात और बदतर

रात के समय स्थिति और भी खराब हो जाती है, क्योंकि सड़क पर स्ट्रीट लाइट तक नहीं जलती। अंधेरे में यह गड्ढे और सड़क की दरारें दिखाई नहीं देतीं और इससे दुर्घटनाओं की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। जो लोग बाहर से आते हैं या इस मार्ग पर पहली बार सफर करते हैं, वे सबसे अधिक खतरे में होते हैं।

### प्रशासन की अनदेखी पर जनता नाराज

स्थानीय लोगों में गुस्सा है कि कई बार शिकायतों के बावजूद संबंधित विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। यह मार्ग रोजाना हजारों लोगों की आवाजाही का जरिया है। स्कूल, कॉलेज, फैक्ट्री और ऑफिस जाने वाले लोग इसी मार्ग से निकलते हैं। बावजूद इसके प्रशासन की अनदेखी से लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

### जनता की मांग, तुरंत हो मरम्मत

स्थानीय निवासियों और सामाजिक संगठनों की मांग है कि जल्द से जल्द इस मार्ग की मरम्मत की जाए। गड्ढों को भरा जाए, सड़क को दोबारा मजबूती प्रदान की जाए और चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। साथ ही, रात के समय स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि कोई अनहोनी न हो।

### डलवाया जा रहा है मलबा

यह सड़क निगम के पास है, फिल्हाल के लिए यहां पर कोई हादसा न हो उसके लिए मलबा डलवाया जा रहा है। वाहन चालकों को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं होने दिया जाएगा। सीवर के कारण यह सड़क धंसी है, बारिश के बाद इसका स्थाई समाधान करवा दिया जाएगा। -**सुमित कुमार**, पार्षद प्रतिनिधि, वार्ड-10

---

विश्वकर्मा मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, काठमंडी में प्रतियोगिता

# उज्जवल, सौरव, गौरव और अरमान जिला स्तरीय तलवारबाजी में चमके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। विश्वकर्मा मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, काठमंडी में आयोजित जिला स्तरीय तलवारबाजी चैम्पियनशिप का समापन भव्यता के साथ हुआ। प्रतियोगिता में जिलेभर से आए युवा खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने हुनर का लोहा मनवाया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. पवन कुमार शर्मा रहे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में डॉ. पीके शर्मा ने शिरकत की। समापन समारोह की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या रचना ने की। विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। डॉ. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, समर्पण और सकारात्मक सोच की ओर प्रेरित करते हैं। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि तलवारबाजी जैसे पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में खिलाड़ियों और अतिथियों ने एक-दूसरे को बधाई दी और खेलों के माध्यम से युवाओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर तलवारबाजी संघ से सचिन देवेंद्र डबास, प्रधान राजेश कुमार, नरवीर राठी, जितेंद्र नरवाल, धीरज सांगवान, हरदीप ढुल, उपप्रधान सुनील कुमार व सुरेंद्र कुमार समेत कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

### 21 और 22 सितंबर को मनाई जाएगी महाराजा अग्रसेन जयंती

**रोहतक।** महाराजा अग्रसेन विकास ट्रस्ट की बैठक सोमवार को झज्जर रोड स्थित वैश्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने की। इस मौके पर महाराजा अग्रसेन जयंती धूमधाम से बनने पर चर्चा हुई। ट्रस्ट के संयोजक परम भूषण आर्य ने कहा कि इस बार जयंती दो दिनों में बांट देनी चाहिए। निर्णय हुआ कि जयंती 21 व 22 सितंबर को धूमधाम से मनाई जाएगी। 21 सितंबर को रक्तदान शिविर, हेल्थ चेकअप कैंप व भंडारा होगा।

शाम को 151 दंपति कुंडीय हवन होगा। 22 सितंबर को ध्वजारोहण, महाराज अग्रसेन जयंती समारोह ,समान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम व शाम को महाआरती व शोभायात्रा निकाली जाएगी। बैठक में नई टीम का चयन भी किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि भी दी गई।

*डॉक्टरों की टीम ने कहा- बीमारी का पता लगाने का कर रहे प्रयास*

# भैणी महाराजपुर गांव में अज्ञात बीमारी से 40 से अधिक भेड़ मरी, पालकों में भय

- पशु पालन विभाग के चिकित्सकों ने मृत भेड़ों का पोस्टमार्टम किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

भैणी महाराजपुर गांव में एक चरवाहे की दर्जनों भेड़ अज्ञात बीमारी से मर गई। शाम को चरवाहा अपनी भेड़ों को चराकर गांव ले आया था। लेकिन सुबह देखा तो 40 से अधिक भेड़ें मृत पाई गई। भैणीमहाराजपुर गांव निवासी सुरेंद्र पुत्र बुधराम ने रविवार सुबह इसकी सूचना गांव की सरपंच दर्शना देवी के पति अत्तर सिंह रापड़िया को दी।

अत्तर सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि 40 से ज्यादा भेड़ें घेर में मृत पड़ी हैं। उन्होंने इसकी सूचना पशु पालन विभाग के चिकित्सकों को दी। चिकित्सकों ने मृत भेड़ों का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम के बाद मृत भेड़ों को गांव से दूर टिब्बे की जमीन में दबा दिया गया। चरवाहे सुरेंद्र व उसके परिजनों ने बताया कि शाम को भेड़ ठीक ठाक थी। भेड़ों को अचानक रात में क्या हुआ, इस बात का आभास तक नहीं हो पाया। डॉक्टरों की टीम ने कहा कि बीमारी का पता लगाकर गांव के अन्य पशुओं को भी बीमारी से बचाव के उपाय किए जाएंगे। भैणी महाराजपुर गांव की सरपंच दर्शना देवी ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने की मांग की है। ताकि गरीब परिवार फिर से अपने पशु खरीदकर अपने परिवार का गुजारा कर सके।

**महम।** बीमारी की चपेट में आने से जमीन पर मृत पड़ी भेड़ें। फोटो: हरिभूमि

---

**पहल** एक पेड़ मरीज के नाम भी शुरू करें पौधारोपण अभियान : कुलपति डॉक्टर एच के अग्रवाल

# पीजीआईएमएस जगाएगा प्रदेशभर में अलख डिस्चार्ज होने वाला हर मरीज करेगा पौधरोपण

- हॉर्टिकल्चर विभाग और संपदा कार्यालय मुहैया करवाएगा जगह और पोधे
- यूएचएस में लगाए गए 400 पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय अब पूरे प्रदेश में पौधरोपण अभियान की अलख जगाएगा। पीजीआई से डिस्चार्ज होने वाले हर मरीज घर जाने के दौरान पौधरोपण करेंगे। हॉर्टिकल्चर विभाग और संपदा कार्यालय द्वारा पोधे मुहैया करवाए जाएंगे। इससे प्रदेश भर के लोग पोधरोपण अभियान से जुड़ सकेंगे। इसी अभियान के तहत रविवार को रोटरी क्लब के साथ मिलकर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगभग 400 पौधे लगाए गए। जिसकी शुरुआत मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित विवि के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने पौधरोपण करके की। मरीजों को भी स्वस्थ्य होन के बाद एक पोधा जरूर लगाना चाहिए।

पौधरोपण करते कुलपति डॉक्टर एच के अग्रवाल

### जो मरीज स्वस्थ होकर जाए वह पौधे जरूर लगाएं

इस अवसर पर उपस्थित दर्जनों चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए डॉ. अग्रवाल ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरित है। उन्होंने सभी से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया और सुझाव दिया कि मरीजों के ठीक होने पर उनके नाम पर भी पेड़ लगाए जाने चाहिए। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि जो मरीज ठीक होकर जाते हैं, वे एक पौधा अवश्य लगाएं और जो भी मरीज ठीक होने पर संस्थान में पेड़ लगाना चाहता है, वह संस्थान की संपदा कार्यालय से पौधा प्राप्त कर सकता है और उसे पौधा लगाने के लिए स्थान भी प्रदान करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि पौधारोपण न केवल पर्यावरण को हरा-भरा बनाने में मदद करता है, बल्कि यह लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाता है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि हमें अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए।विश्वविद्यालय ने पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता बढ़ाने के लिए इस तरह के आयोजनों को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के अभियान चलाए जाएंगे ताकि अधिक से अधिक लोग पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकें।

### अभियान को समर्थन की जरूरत: डॉ. सिंघल

पीजीआईएमएस के निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल ने बताया कि इस अभियान में सभी के सहयोग और समर्थन की जरूरत है। इस पौधरोपण अभियान में कई संगठनों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिनमें हरियाणा स्टेट टीचर मेडिकल वेलफेयर एसोसिएशन (एचएसएमटीए) और पीजीआईएमएस की नॉन-टीचिंग एसोसिएशन शामिल हैं। इन संगठनों के सदस्यों ने भी बड़ी संख्या में पौधरोपण में हिस्सा लिया और इस पहल को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ एस के सिंघल ने कहा कि यह पौधरोपण अभियान न केवल पर्यावरण के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि कैसे सामूहिक प्रयासों से हम अपने पर्यावरण को बेहतर बना सकते हैं। डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉक्टर ध्रुव चौधरी ने कहा कि इस पहल से प्रेरित होकर अधिक से अधिक लोगों को पौधरोपण में भाग लेना चाहिए और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देना चाहिए।

### ये मौजूद रहे

इस अवसर पर डॉ सविता सिंघल, जनसंपर्क विभाग के इंचार्ज डॉक्टर वरुण अरोड़ा ,डॉक्टर सुधीर अत्री, डॉ गजेंद्र ,डॉ राजेश रोहिल्ला, डॉक्टर जगजीत, डॉक्टर विवेक मलिक, डॉ विपिन ,डॉ रोहित, डॉ विनोद मेहरा, डॉ नवीन खत्री, संपदा अधिकारी दुष्यंत, रोटरी क्लब से आशुतोष गुप्ता, रतन जैन, सुशील गुप्ता, अंकुर जैन भी उपस्थित रहे।

### हरियाणा एनसीबी का नशा विरोधी जागरूकता अभियान, कुश्ती दंगलों का विशेष आयोजन

**रोहतक।** हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने जिले के गांव गिरावड़ (हल्का महम) और बाबा शिखर वाला, सुनारिया में आयोजित कुश्ती दंगलों के दौरान विशेष नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाया। यह कार्यक्रम एनसीबी प्रमुख ओपी सिंह, पुलिस अधीक्षक पंखुड़ी कुमार और उप पुलिस अधीक्षक सतेन्द्र कुमार के मार्गदर्शन में हुआ। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में नशे के खिलाफ जनचेतना फैलाना है। एनसीबी अधिकारियों ने खिलाड़ियों और उपस्थित जनसमूह से संवाद करते हुए कहा कि नशा न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि यह युवा वर्ग की उम्मीदों और सपनों को भी बर्बाद कर सकता है। अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से बताया कि युवा और खिलाड़ी समाज के भविष्य हैं, और उन्हें नशीले पदार्थों से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए। इसके अलावा, यह भी कहा गया कि खेल, अनुशासन और जीवनशैली ही सफलता की असली कुंजी है। कार्यक्रम में हरियाणवी संस्कृति की परंपरा नमक-लोटा का उदाहरण देते हुए अधिकारियों ने बताया कि जैसे यह परंपरा ईमानदारी और निष्ठा की शपथ है, वैसे ही आज समाज को नशामुक्त करने की जिम्मेदारी हर नागरिक की है। इस कार्यक्रम में खिलाड़ियों और आमजन को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी नशा न करने देने की शपथ दिलाई गई। सभी ने एकजुट होकर यह संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे।

*जो शिक्षा हमें निर्बलों को सताने के लिए तैयार करे, जो हमें धरती और धन का ग़ुलाम बनाए, जो हमें भोग-विलास में डुबाए, जो हमें दूसरों का ख़ून पीकर मोटा होने का इच्छुक बनाए, वह शिक्षा नहीं भ्रष्टता है।*

**- मुंशी प्रेमचंद**

*गतांक से आगे...*

*अभी तक आपने पढ़ा कि शारदा की साहब से शादी हो जाती है। साहब कम बोलते हैं। शारदा इस बात का पूरा ध्यान रखती है कि घर में शोर-शराबा न हो। शारदा के दो बच्चे हो चुके हैं। बच्चों के जन्म के बाद वह समझ पाती है कि जीवन में आवाज का क्या महत्व है। साहब की मां स्वर्ग सिधार गई हैं। अब साहब ने कॉलेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है और ज्यादातर वक्त वे पढ़ने-लिखने में ही बिताते हैं। अब आगे...*

कहानी

नवरत्न

# आवाज़ें

अम्मा जी चली गई हैं। साहब ने उन्हें चुपचाप विदा कर दिया है। अब तो अकेले ही दरख़्तों के साए में अपने हुक्के के साथ बैठते हैं। शाम को अक्सर अम्मा जी की जगह शारदा होती है। चुपचाप उन्हें पढ़ते-लिखते हुए या हुक्का गुड़गुड़ाते हुए देखती हुई शारदा ... बच्चे बड़े हो रहे हैं... पड़ोस में एक आध मकान और बन गया है। जिससे आवाजों की आमद बढ़ गई है। नए मकान का मुहूर्त है और पड़ोस में थोड़ी रेलम-पेल है। नए पड़ोसी थोड़े ज्यादा ही बोलने-चालने वाले किस्म के लोग हैं। बोल बोल कर, नाच-गाकर जिंदगी का आनंद मनाने वाले लोग.. साहब को न्योता देने आए हैं। चाहते हैं कि पड़ोस में जान-पहचान बढ़े।

साहब चुपचाप हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं। शारदा थोड़ी विचलित है कि अब उन्हें कैसे बताए... कि ये इस तरह के समारोह में शामिल नहीं होते। अब कुक्कू के कान में दर्द हो तो शारदा साहब के सोने की अलग कमरे में व्यवस्था कर सकती है। निक्की को बुखार हो या दोनों भाई-बहन आपस में खेलते-खेलते झगड़ा करने लगें तो शारदा के पास समाधान है। अब इस नई समस्या का तो उसे कोई समाधान नजर नहीं आता। लेकिन ऐसा भी नहीं कि साहब को ये चीजें बिल्कुल ही नागवार गुजरें। बस! इतना है कि वे न्योता देने वालों की बातों को सिर्फ सुन रहे हैं। बहुत हुआ तो वे उनके कई वाक्यों के बाद अपनी संक्षिप्त सी 'जी' से काम चला देते हैं। फिर... एक व्यक्ति और आ गया है जो शायद पहले वाले को बुलाने आया है। साथ में कुछ बच्चे भी आ गए हैं। बड़े प्यारे-प्यारे बच्चे हैं। निक्की और कुक्कू की आज छुट्टी है और जाने कब बच्चों की छोटी सी दुनिया में दोस्ती का दीप जगमग आ उठा है। शारदा ने निक्की के हाथ एक पानी का जग और गिलास भेजे हैं शिष्टाचारवश। साहब ने उन्हें पानी पिलाया है.. साथ ही आगंतुकों ने साहब को यह भी बताया है कि.. 'जी आज तो लेडीज संगीत का कार्यक्रम है। शाम को जवान बच्चे नाच-कूद लेंगे इस बहाने और कल सुबह दस बजे गृह प्रवेश है। आप मैडम के साथ, बच्चों के साथ, जरूर आइएगा।'

साहब ने कोई जवाब नहीं दिया है। बच्चों को खेलते हुए महज देख रहे हैं। फिर कुछ औरतें पारंपरिक परिधानों में सजकर गीत गाती हुई सुनाई दे रही हैं। बच्चे.. निक्की और कुक्कू के साथ खेलते-खेलते अंदर आ गए हैं। अब बच्चे तो बच्चे हैं, उन्हें कागजों पर लिखी बातों का क्या पता? वे विस्मय से भरे ..कमरों में भरी किताबों को देख रहे हैं। कभी-कभी किसी कागज को भी उठा लेते हैं। फिर उस कागज को यूं ही गिराकर कोई और पत्रिका उठा लेते हैं। उनके लिए तो सब कुछ महज खेलने की चीजें हैं। दुनिया एक खेल है... जिंदगी एक खेल है... यहां जी रहा प्रत्येक व्यक्ति अलग-अलग तरीकों से खेल रहा है। लेकिन शारदा असहज है। वह भारी द्वंद्व में है। बच्चों की आवाजों को बड़ी शिद्दत से सुन रही है। निक्की और कुक्कू का यूं बच्चों के साथ खेलना उसे सुकून दे रहा है। लेकिन बच्चे शोर कर रहे हैं। उनका शोर करना, आवाजें करना उसे अखर रहा है। शाम को जैसा कि शारदा को पहले ही अंदेशा था.. सात बजते-बजते डीजे शुरू हो गया .. खूब तेज आवाज में ...साहब भीतर अपने कमरे में हैं और खाना खा रहे हैं। शारदा खिड़कियां बंद कर रही है ताकि आवाज अंदर ना आ सके। लेकिन खिड़कियां - दरवाजे बंद करने से भी ज्यादा असर नहीं पड़ रहा और आवाजें बाकायदा अंदर आ रही है। हंसने की आवाजें, गाने की आवाजें, जोर-जोर से बोलने की आवाजें और सबसे तेज आवाजें... पटाखों की आवाजें... शारदा विचलित तो नहीं... लेकिन असहज है.. क्योंकि बारह साल में ऐसी स्थिति पहली बार आई है जब उसे अपने घर में इतना शोर सुनाई दिया है। साहब चुपचाप लेटे हैं । उन्होंने असहज और परेशान शारदा की ओर महज देखा भर है और अपने देखने भर से यह जता दिया है कि रहने दो, कोई बात नहीं... कई बार कुछ आवाजों का कोई समाधान नहीं होता। दोनों बच्चे बिल्कुल बेफिक्री से सो रहे हैं। साहब जाग रहे हैं । आवाजों का सिलसिला जारी है। शारदा अभी जाग रही है। हालांकि उसने कोशिश की है साहब के तलवों और सिर में तेल की मालिश करके उन्हें सुलाने की। लेकिन पटाखों की आवाज के साथ ही वे चौंक पड़ते हैं। कभी-कभी उठ कर बैठ भी जाते हैं। लिखने-पढ़ने वाले विचारशील व्यक्ति हैं। सोच रहे हैं कि जीवन में आवाजों का आदी होना भी कितना जरूरी है। आवाजों के समंदर में डूब कर बेखुदी में जीना कितना आसान हो जाता है । शारदा की

> *वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा*

आंखें शायद लग रही हैं। वह तंद्रा में ही विचार कर रही है कि कुछ आवाजें कितनी अच्छी होती हैं कि वे आती हैं और बच्चों के लिए खेलने का सामान कर जाती हैं। बच्चे स्कूल में तो भले ही खेलते होंगे घर में तो वे आज ही खेले हैं, पड़ोस के बच्चों के साथ। सोचते-सोचते वह सो गई। रात का एक बज गया है, अब शायद आवाजें थक गई हैं। उनमें एक बोझिल आकार पैदा हो गया है। अब थोड़ी-थोड़ी देर में आ तो रही हैं लेकिन अलसाई हुई सी, उनमें थकान है। शायद नशा भी है और कभी-कभी एक नींद की खुमारी भी सुनाई पड़ रही है। पटाखे भी अब थक गए हैं और डीजे भी कम से कमतर हो गया है । रात्रि का मौन पसर रहा है। आज इतवार है तथा बच्चों की छुट्टी है। पड़ोस में फिर चहल-पहल सुनाई पड़ रही है। गृह प्रवेश के लिए हवन का कार्यक्रम शुरू हुआ है। हवन के मंत्रोच्चार भी बाकायदा माइक में बोले जा रहे हैं। आहूतियों के सिलसिले में स्वाहा का समवेत स्वर माहौल को ऊर्जा नृत्य कर रहा है। शारदा का यह साफ-सफाई का वक्त है। सफाई करते हुए वह सोच रही है कि एक बार शिष्टाचार के नाते, औपचारिकतावश ही सही, वह पड़ोस में जा आएगी.. क्योंकि सुबह भी दो महिलाएं बुलावा देने के लिए आई थी। महिलाएं पारंपरिक परिधान में सजी-धजी, हवन का प्रसाद लेकर गई थी। उनके साथ बच्चे खेलते हुए यहीं रुक गए थे। साहब नहा-धोकर, बाहर शहतूत तले, उनकी प्रिय जगह पर अपने हुक्के के साथ बैठे हैं। आंखों में रात भर न सोने के कारण थकान है। शारदा नहा धो चुकी है। उसने कॉटन सिल्क की साड़ी पहनी है। बस साहब के लिए नाश्ता बनाना है, फिर बच्चों के साथ वह थोड़ी देर के लिए पड़ोस में चली जाएगी। हवन हो चुका है व मंत्रोचार के समवेत स्वर सुनाई नहीं पड़ रहे हैं। शारदा रसोई में है और बच्चे दूसरे कमरे में खेल रहे हैं। वह बीच-बीच में दो-तीन बार उन्हें खेलते हुए फुसफुसाकर ताकीद कर आई है कि आवाजें नहीं, चुपचाप खेलते रहो। लेकिन अब की बार वह बच्चों वाले कमरे में आई तो पड़ोस का एक बच्चा कागज से हवाई जहाज बना रहा था। उसने शायद किसी पत्रिका से पृष्ठ फाड़ लिया है। शारदा के लिए यह अप्रत्याशित था। उसने निक्की को पास बुलाकर धीरे से फुसफुसाया.. पापा के लिए नाश्ता बना रही हूं, फिर पड़ोस के फंक्शन में चलेंगे, तब तक तुम सब बच्चों को बराबर वाले लान में, गुलमोहर के नीचे, खेलाओ और बाहर से दरवाजा बंद कर जाओ, नहीं तो ये बार-बार आकर पापा के कागज उठाएंगे। निक्की समझ गई.. वह इन सब में बड़ी बच्ची है.. उसने ऐसा ही किया, बाहर बरामदे का दरवाजा बंद कर दिया ताकि मम्मी आराम से नाश्ता बना सके। साहब को मिट्टी की हंडिया में बना हुआ दलिया नाश्ते में पसंद है। उनका मानना है कि खाने की चीजें भी जितनी धीरे पकती हैं उनमें स्वाद बरकरार रहता है। तेजी से पकी हुई चीजें बे-स्वाद होती हैं। शारदा भी समझ चुकी है कि जिंदगी धीरे धीरे, आराम से और सुकून से जी जाती है। वह दलिया धोकर मिट्टी की हांडी में डालते हुए भी साहब के बारे में ही सोच रही है कि वे रात भर आवाजों से दो-चार रहे और सो न सके। लेकिन बाहर अब सब कुछ शांत है बिल्कुल शांत ... कोई आवाज नहीं आ रही.. सोच कर.. उसे अच्छा लगा। कुछ देर से बच्चों की ओर से भी आवाज नहीं आ रही है। वह सोच रही है शायद बच्चे भी खेलते हुए पड़ोस के समारोह की ओर निकल गए होंगे। साहब नाश्ता करके शायद थोड़ा आराम करें और उनकी आंख लग जाए तो अच्छा हो। वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा ... हालांकि रसोई से बाहर... बरामदे की ओर...वह भागी ..लेकिन भागी तो ... सिल्क और भी भभकी ... अबकी बार । शहतूत के दरख्त के नीचे साहब किसी साहित्यिक पत्रिका में उलझे हैं। हालांकि बीच में उनकी चेतना कुछ समय के लिए घर के मुख्य दरवाजे की ओर गई और उन्होंने बाकायदा देखा भी कि बाहर से बंद है और हल्के-हल्के थपथपाया जा रहा है। कुंडी बाहर से साफ दिख रही है। दोनों किवाड़ धीरे-धीरे आगे-पीछे होते हुए दिखाई दे रहे हैं लेकिन फिर उन्होंने यह सोचकर ध्यान हटा लिया कि बच्चे हैं और पड़ोस के बच्चों के साथ खेल रहे हैं। पत्रिका में आलेख छपा है .. आवाजों के जंगल में जिंदगी की तलाश... उन्होंने शीर्षक देखा ... उन्हें शीर्षक अच्छा लगा है। शीर्षक से ही उन्हें साफ महसूस हुआ कि आलेख किसी को भी अपनी ओर आकर्षित करेगा पढ़ने के लिए। लेकिन कुछ जलने की गंध और उनके नासा पुट सक्रिय ....उन्होंने फिर घूम देखा... तो बरामदे के अंदर वाले रोशनदान से धुआं निकल रहा है... मटमैला सा धुआं ... उनकी समझ में कुछ नहीं आया।

वे उठे... कि उन्हें लगा कि जैसे कुछ अप्रिय घटित होने की आशंका के साथ और वे लगभग दौड़ ही पड़े....कुंडी खोली तो अंदर का हृदय विदारक दृश्य ... उन्होंने जिंदगी में पहली दफा किसी नाम को इतनी जोर से पुकारा... शारदा ....ssssss.. और शारदा ने बमुश्किल आंखें खोली और फौरन हाथ से इशारा करते हुए अपनी तर्जनी होठों पर रख ली ।... और इस तरह से साहब की जिंदगी से उस दिन उस आखिरी आवाज ने विदा ली। आजकल वे खोजते फिरा करते हैं आवाजों को... वे मानते हैं कि आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें हैं। आवाजें हमारे होने को तस्दीक करती हैं.. या कि कुछ आवाजें खूबसूरत हुआ करती हैं। उनका होना हमारी जिंदगी को सार्थक कर जाता है। आवाजें लहरों से समंदर की छाती पर अलविदा लिख दिया करती हैं। आकाश की पीठ पर बादलों की आवाजें बरसात नहीं... असल में जिंदगी ही तो लिखा करती हैं। **(समाप्त)**

कविता

राकेश कुमार सपड़ा

## तकदीर

निहार लेते और दो घड़ी
जो मालूम होता
अब होगी ना मुलाकात हमारी।

कहते दिल की अपनी
सुनते तुम्हारी
ना कहते
मिलेंगे फिर
होते वक्त विदा
रोक लेते तुम्हें
जो होता मालूम
हमेशा को
हो रहे हैं जुदा
अलविदा कहने को भी
होगी ना अब भेंट हमारी।

यादें तुम्हारी
ना दिल से मिटायेंगे
बितेगा सफर यूँ ही
इक रंगी हमारा
ना होगा ओझल
रहेगा बसा आँखों में
वो अक्स तुम्हारा
चलेंगे हम
संग होगा साया तुम्हारा।

काश दे के आवाज तुम्हें
बुला पाते
एहसास अपने जज्बातों का
दिला पाते
पता जो मालूम होता तुम्हारा
भेज के पाती
बहाने से तुम्हें किसी भी
बुला पाते
कसमें जो रह गई हैं अधूरी
वो निभा पाते।

ख्वाबों का ही अब सहारा होगा
हमसफर कोई दूजा ना हमारा होगा
याद में तुम्हारी
नम आँख में जो आँसू होंगा
कहने को हमारा
नाम उस पर तुम्हारा ही होगा।

कविता

अंजु कपूर गांधी

## नारी

सच कहूं तो हर नारी
जिम्मेदारियों के बोझ तले
खुद के सपनों को दबाए
चलती रही ताउम्र बोझा
अपने सिवाए ,सबका उठाए
थकती पर रुकती नहीं है
चलती जाती
जीवन होम किया
फिर भी
अंत ठगा खुद को है पाती
सबसे बड़ी ठगी तो वो है
खुद से ही जो करती जाती
आती -जाती श्वासों में ये जीवन खेले
इससे पहले मृत्यु निज आगोश में ले
लक्ष्य जो चिन्हित किये थे
उनको पाना याद कर
हैं बची सांसें ये जितनी
अब तो अपने नाम कर
खोल दे बंद मुट्ठियां
ख्वाहिशों को पंख लगा
पांव जमीं पर रहें...
'अंजु' व्योम छू के आ !

लघुकथा

विश्वदीपक त्रिखा

## कामवाली बाई

पिछली कामवाली बाई छोड़ गई थी। नई कोई मिल नहीं रही थी। दिक्कत बहुत थी। हम दोनों ऑफिस चले जाते तो घर में बच्चे और बच्चों के दादा-दादी अकेले होते। किसी ने बताया कि दिल्ली में एजेंसी से मिल जाएगी मेड। उनसे बात की। उन्होंने एडवांस पेमेंट ली और उन्हीं का आदमी साथ लेकर आया। एग्रीमेंट पर हमारे हस्ताक्षर करवाए और मेड को छोड़ कर चला गया।

मेड का नाम था लवली। 32/33 की उम्र थी। बंगाल की रहने वाली थी। बंगाली बोलती थी। टूटी-फूटी हिंदी भी बोल लेती थी। दो-चार दिन के बाद उसने मोर्चा संभाल लिया। काम आसान हो गया। खाना बहुत ही अच्छा बनाती थी। और किसी किस्म के नखरे भी नहीं थे। एक साल बाद बोली कि भैया घर जाऊंगी, टिकट बुक करवा दो। मैंने टिकट बुक करवा दी। एक महीने बाद वापस आई तो रो रही थी। बोली भैया रास्ते में टीटी ने 2000 रुपये जुर्माना लगा दिया। आधार कार्ड दिखाया तो कहता टिकिट किसी और के नाम से है।

मैंने कहा, आधार दिखाओ । आधार कार्ड देखा तो उस पर नाम था आबिदा बेगम। टिकट मैंने लवली के नाम से करवाई थी। मेरा काटो तो खून नहीं। मैंने पूछा, लवली आप मुसलमान हो क्या। बोली, हां भैया।

मैं उठ कर दूसरे कमरे में चला गया। मेरी बीवी भी पीछे आ गई। हम दोनों ही परेशान कि ये क्या हुआ हमारे साथ। धोखा ये नहीं कि वो मुसलमान है। धोखा ये कि हमें एजेंट ने या खुद लवली ने ये सब बताया क्यों नहीं। एग्रीमेंट लवली के नाम से ही बना था। हमने उस वक्त आधार देखने की जरूरत ही नहीं समझी। थोड़ी देर में जब हम सदमे से उभरे तो बाहर आकर उसको चाय बनाने के लिए बोला और पहले जैसे ही हंस बोल कर माहौल को हल्का बनाने की कोशिश की ताकि उसको महसूस न हो।

मैं ठहरा ब्राह्मण, वो भी असली वाला और मेरे घर में कामवाली मुसलमान, कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करू। उसके गुण देखूं कि उसका धर्म देखूं। जो गुण थे उसमें, उसके सामने उसका धर्म गौण लगा मुझे। मैं कोई सेकुलर नहीं हूं। कट्टर हिंदू हूं लेकिन कुछ रिश्ते इन सब से ऊपर हो जाते हैं। शायद उसका हमारा रिश्ता कुछ ऐसा ही बन चुका था। वो उमर में मेरे से छोटी थी पर डांटती ऐसे थी जैसे कि मेरी मां हो। घर में चलती भी उसी की थी। मैं कभी बीवी को डांट दूं तो मेरे को डांट दिया करती। कभी मेरे से कोई गलती हो जाती तो मेरी खैर नहीं। हमारे घर में क्या कहां पड़ा है सब उसी को पता होता था न कि मेरी बीवी को। एक तरह से वो घर की कंप्लीट केयरटेकर थी। सब वैसे ही चलता रहा। ईद में मेरी बीवी उसके लिए सिवांइया बनवाती। दीवाली में हमारे साथ वो पूजा करती। उसने हमारे घर 16 साल काम किया। कोरोना की दूसरी लहर में घर गई। फिर वापस आई और एक साल और काम किया लेकिन उसके बाद उमर हो गई थी उसकी भी 50 के आसपास। अब काम नहीं होता था उससे। बोली, जाऊंगी वापस घर। मेरी बीवी ने बहुत रोका, बोली रुक जाओ। हमें आपकी आदत सी हो गई है। लेकिन चाहते हुए भी वो नहीं मानी। खैर, इतना ही साथ था हमारा। हम उसको दिल्ली स्टेशन पर छोड़ने गए। ट्रेन चली तो हम तीनों की आंखों में आंसू थे।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

**साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को जटिल,लेकिन अत्यंत रोचक करार देते हुए कहते हैं कि सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के विस्तार ने साहित्य की प्रकृति, पहुंच और अभिव्यक्ति के तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। साहित्य अब केवल शब्दों का खेल नहीं रहा, वह मल्टीमीडिया अनुभव बनता जा रहा है।**

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

# सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देता साहित्य : डॉ. सत्यबीर 'निराला'

भारतीय संस्कृति में साहित्य को समाज का दर्पण माना जाता है। इसलिए सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर लेखन के जरिए साहित्य साधना कर रहे साहित्यकार संस्कृति और परंपराओं और सभ्यता के प्रति समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह ऐसे ही साहित्यकार हैं, जिन्होंने पद्य, दोहे, वर्णमाला, चौपाई, भजन, हरियाणवी भजन व बारह मास जैसी विधाओं में सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देने का प्रयास किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को साहित्य संवर्धन का हिस्सा बनाकर उन्होंने हरियाणवी भाषा और संस्कृति को सर्वोपरि रखते हुए कला और संगीत की विधाओं में भी एक कलाकार व गायक और समाजसेवा की भाव के साथ अपनी पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति के प्रति प्रेरित करने पर बल दिया है। वरिष्ठ साहित्कार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' का जन्म 24 अक्टूबर 1956 को रोहतक जिले के गाँव निगाना में एक सामान्य कृषक परिवार में बनारसी दास नम्बरदार व सरबती देवी के घर में हुआ। परिवार में पारिवारिक पृष्ठभूमि में कोई साहित्यिक या सांस्कतिक माहौल नहीं था, लेकिन उन्हें बचपन से ही भजन और गीत गाने का बहुत शौक था। हालांकि होश संभालने के बाद मध्यम वर्ग का परिवार होने की वजह उनके जीवन में भी आर्थिक और सामाजिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अल्पायु यानी 14 या 15 वर्ष की उम्र में ही लिखना शुरू कर दिया था। वक्त के साथ जब वह बड़े हुए तो उन्होंने अपनी पढाई के साथ में संगीत की शिक्षा ग्रहण करनी भी जारी रखी और जल्द ही वह बड़ी स्टेजों पर बतौर गायक तथा हारमोनियम वादक के तौर पर कार्य करने लगे। समय के साथ ख्याति बढ़ती गई और उन्हें फिल्मों, नाटकों में गीत लिखने के लिए तथा बतौर संगीतकार के तौर पर कार्य करने के अवसर मिलते रहे, लेकिन कहीं न कहीं मन में एक टीस बाकी थी कि उनकी रचनाएं किस प्रकार आने वाली पीढ़ी को जागरूक करे। इसलिए उन्होंने साहित्य लेखन की तरफ अपने कदम बढ़ाने शुरू कर दिए। साहित्य सृजन करते हुए वह अब तक करीब 78 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। हालांकि दस पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी हैं। कवि धर्म संसद में सद्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज ने शुभ आशीष देते हुए उन्हें साल 1990 में 'निराला' उपाधि से नवाजा। हालांकि घर परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने के लिए सरकारी नौकरी करने तथा साहित्य लेखन व संगीत के कार्य में सामंजस्य बैठाने में वास्तव में उन्हें बेहद परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन हरियाणा सरकार के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिक, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्ति के बाद खासतौर से साहित्यिक क्षेत्र की दृष्टि से उन्हें बड़ी राहत मिली। इसलिए अब वह लगातार दिन-रात साहित्य सृजन तथा साहित्यिक गतिविधियों में इतना व्यस्त रहने लगे और अब तक वह करीब 75 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। साहित्य और संगीत में पीएचडी की मानद उपाधि हासिल कर चुके डॉ.सत्यबीर सिंह, आमतौर पर उनके लेखन का फोकस हर विषय पर रहा है, लेकिन सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों, अध्यात्म एवं जनजागृति पर आधारित रचनाओं पर ज्यादा कलम चलाई है। साहित्य सृजन के अलावा वह सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रीय हैं और निराला चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक निदेशक के रूप में वह महिला सशक्तिकरण की दिशा में अब तक 150 महिलाओं एवं लड़कियों को निःशुल्क एडवांस बेसिक कंप्यूटर कोर्स और बेसिक कंप्यूटर कोर्स करवाए जा चुके हैं। वहीं पौधरोपण, रक्तदान आदि गतिविधियों तथा धर्म प्रचार-प्रसार कार्यों में अहम वह लगातार अपनी भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने बताया कि वह अब तक हरियाणवी भाषा में 250 से ज्यादा गीत, कविताएं लिख चुके हैं, जिसमें उनकी एक पुस्तक 'टूटता तारा' हरियाणवी भाषा मे प्रकाशित हो चुकी है। बतौर संगीतकार, गीतकार, गायक एवं अदाकार के रूप में कई हरियाणवी फिल्मों, टेलीफिल्मों तथा नाटकों में कार्य किया। वे कहते हैं कि साहित्यकारों को अपनी रचनाओं और लेखों को रोचक व प्रासंगिक बनाने के लिए विज्ञान, राजनीति, समाजशास्त्र के साथ साहित्य का संवाद स्थापित करना होगा।

### प्रकाशित पुस्तकें

निराला' ने अब तक हिंदी व हरियाणवी भाषा में 75 से ज्यादा पुस्तकें लिखी हैं। इनमें प्रमुख रूप से आइना - ए-निराला, सत्य की ओर, दरकते-रिश्ते, अदालत, प्यार का पैगाम,घटता आँचल, टूटता तारा (हरियाणवी), संत बाबा मेहरशाह (ग्रंथावली) शामिल हैं। उनकी साझा संग्रह पुस्तकों में 'पौत्र प्रभाविकरण', 'तनै कर दिया इसा कमाल', 'गुरु कृपा', 'संस्कारों की क्यारी', 'प्यारा नंद लाला', 'भारत माता की जय', 'मेघा पुष्प', 'कविता कौमुदी' के अलावा प्रकाशनाधीन साझा संग्रह पुस्तक 'एकता', 'बेरहम' और 'महिलाओं की प्रधानता और नेतृत्व' शामिल हैं।

डॉ.सत्यबीर सिंह 'निराला'

### पुरस्कार व सम्मान

डॉ. सत्यबीर को हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी से 'हरियाणवी भाषा के विकास की संभावनाए' विषय पर प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। उनको प्रमुख रूप से राष्ट्रीय साहित्य रत्न सम्मान, राष्ट्रीय कबीर कोहिनूर सम्मान, 'बाल अधिकार साहित्य सम्मान, अटलश्री सम्मान, विधा भास्कर निराला सम्मान, कवि महेन्द्र सिंह नंबरदार स्मृति सम्मान, मिसरी-जुगलाल स्मृति साहित्य श्री सम्मान, निर्मला स्मृति हरियाणा गौरव साहित्य सम्मान, प्रकृति गौरव सम्मान, संस्कृति प्रेमी सम्मान, सनातन धर्म और साहित्य सम्मान शामिल हैं।

### व्यक्तिगत परिचय

**नाम** :डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला'
**जन्मतिथि** :24 अक्टूबर 1956
**जन्म स्थान** :गांव निगाना, रोहतक (हरियाणा)
**शिक्षा** : इंटरमिडिएट, पीएचडी उपाधि
**संप्रति** : साहित्यकार, संगीतकार, गायक एवं समाजसेवी, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्त।

# वेदना और संवेदना का मिश्रित रंग है अमूर्त काल

**पुस्तक : अमूर्त काल**
**लेखक : अजय रोहिल्ला**
**मूल्य : 350 रुपये**
**प्रकाशक : आधार प्रकाशन**

पुस्तक समीक्षा

भारत भूषण शर्मा

अजय रोहिल्ला एक विद्रोही वजूद का मानवीय नाम है, जो उनकी सोच, समझ और स्वभाव का प्रतिबिंब बनकर, कभी उन्हें रंगमंच का कलाकार, कभी निर्देशक, कभी सिल्वर स्क्रीन पर एक सक्षम अभिनेता तो कभी चित्रकार के रूप में सामने लाता है। उनके विद्रोही और आक्रामक स्वभाव का एक नया रूप कवि के रूप में देखने को मिला है।

उनका कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के रूप में हमारे सामने है। हालांकि, अजय की कविताओं को मैंने इस संग्रह से हटकर भी पढ़ है। कई संदर्भों में महसूस किया है। अजय रोहिल्ला की कविताओं को समझने से पूर्व यदि उनके कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के शाब्दिक, व्याकरणिक अर्थ को समझ लेंगे तो इन रचनाओं को समझने में आसानी होगी। 'अमूर्त काल' यानि जो किसी स्पष्ट क्रिया या निश्चित समय का संकेत नहीं देते, बल्कि किसी कार्य की सामान्य स्थिति, इच्छा भावना या संभावना को प्रकट करते हैं। कविता संग्रह 'अमूर्त काल' एक गूढ़ अवधारणा है, जो कवि को समय की सीमाओं पर जाकर अनुभूति, स्मृति, कल्पना और भावना के माध्यम से व्यक्त करने की स्वतंत्रता देती है। उपरोक्त व्याकरणिक परिभाषा के अनुरूप अजय रोहिल्ला अपनी सोच, अपनी काल्पनिकता और अपने विद्रोही तेवरों को कविताओं के माध्यम से उकेरने में सफल हुए हैं। उनके कविता कौशल के कुछ शानदार, उद्वेलित करने में सक्षम नमूने देखिए-

*युद्ध एक काला घाव*
*जो आकाश फटता है*
*उसके छींटें*
*हड्डियों की चीख, बारूद की गंध*
*पर नजर पड़ते ही*
*वह घाव सिकुड़ता है*
*और कीचड़ में खिल उठता है कमल*
*जो रात के स्वप्न में तैरता है...*

इनके अलावा भी बहुत सी घायल संवेदनाएं, आहत अहसास और सहमी हुई सिसकियां हैं, जो अजय रोहिल्ला के 'अमूर्त काल' में उसने वेदना और संवेदना के मिश्रित रंगों से उकेरी हैं। 'अमूर्त काल' में छपी उसकी सभी रचनाओं के केंद्र में विश्व मंच पर लगातार हो रहे इंसानियत के ह्रास की तस्वीर नजर आती है। इस कविता संग्रह को उस शख्स को एक बार तो अवश्य पढ़ लेना चाहिए, जो समाज और समय में संक्रमित हो रहे संदर्भों से विचलित होने में सक्षम हो, जिसके अंदर इंसानियत को जिंदा रखने की ललक भी हो।

## खबर संक्षेप

### मदवि में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया

**रोहतक।** महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में 79 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने इस अवसर पर युवाओं को नशे से आजादी का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब हम देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, यह आवश्यक है कि हम नशे की गुलामी से मुक्ति पाएं। कुलपति ने कहा युवाओं से आह्वन किया कि नशे से खुद को दूर रखें, और दूसरों को भी प्रेरित करें। उन्होंने एक नशा मुक्त भारत की दिशा में आगे बढ़ने की बात कहते हुए कहा कि यही आज के दिन की सच्ची श्रद्धांजलि होगी हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को, जिन्होंने अपनी जान देकर हमें आजादी दिलाई।

### स्वास्थ्य जांच शिविर का किया गया आयोजन

**रोहतक।** हरिओम सेवा दल द्वारा जेनेसिस अस्पताल के सहयोग से संस्थापक संजय खुराना एवं गुलशन खुराना की स्वर्गीय माता शांति देवी धर्मपत्नी जवाहरलाल खुराना की पुण्य स्मृति में निशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया। यह स्वास्थ्य जांच कैंप पटेल नगर स्थित श्री नीलकंठ मंदिर में लगाया गया। इस कैंप में गैस्ट्रो कैंसर जांच सामान्य जांच मैमोग्राफी एवं नेत्र जांच रोग के मरीजों की जांच की गई।

## अंडर-17 बॉयज सिंगल्स के विजेता बने रोहतक के वेदांत

# विभिन्न खेलों में प्रदेशभर से लगभग 500 खिलाड़ियों ने दिखाया दम-खम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

रोहतक। बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रतिभा का प्रदर्शन करते खिलाड़ी।

अतिथियों का सम्मान करते आयोजक।

हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में योनेक्स सनराइज एलपीएस बोसार्ड 58वीं हरियाणा राज्य सब-जूनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। इस चार दिवसीय प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि, हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन के प्रधान देवेंद्र सिंह (रिटायर्ड आईएएस) ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्य अतिथि, देवेंद्र सिंह (रिटायर्ड आईएएस) ने समापन समारोह में उपस्थित गण को कहा कि खेल हमारे जीवन में अनुशासन एवं टीम भावना विकसित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। किसी भी खेल में हार-जीत से ज्यादा अहम है खेलों में हिस्सा लेना। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों से खेलों में बिना किसी दबाव के अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया। उन्होंने विजेताओं सहित सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। एचबीए के महासचिव अजय सिंघानिया ने एचबीए द्वारा खिलाड़ियों के लिए शुरू किए गए विभिन्न पुरस्कारों और सुविधाओं की जानकारी दी। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए मेजबान डीबीए के जिलाध्यक्ष यशपाल सिंह पंवार ने बताया कि अंडर-15 और अंडर-17 आयु वर्ग के रोमांचक मुकाबलों में प्रदेश भर से लगभग 500 खिलाड़ियों ने अपना दम-खम दिखाया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन विभिन्न श्रेणियों के फाइनल मैचों में खिलाड़ियों ने जोश दिखाते हुए कड़ा मुकाबला किया। सभी विजेता और रनर अप खिलाडियों को मुख्य अतिथि, देवेंद्र सिंह (रिटायर्ड आईएएस), विशिष्ट अतिथि उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह, एचबीए के महासचिव अजय सिंघानिया, डीबीए जिलाध्यक्ष यशपाल सिंह पंवार और अन्य पदाधिकारियों ने प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अंत में जिलाध्यक्ष ने अतिथि गण का आभार व्यक्त किया। सभी अतिथि गणों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

समापन समारोह में एसोसिएशन के सचिव उमेद शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेंद्र मलिक, टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर रितेश दलाल, हरिओम चंदेल, नीरज मलिक, गिरीश सैनी, गुलशन बजाज, ऋषिराज सहित खिलाड़ी, अभिभावक और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

### ये रहे विजेता

- ▸▸| अंडर-17 गर्ल्स डबल्स में अक्षिता (सोनीपत) व जोयल राणा (झज्जर) की जोड़ी ने हिसार की आराध्या जाखड़ व दित्या की जोड़ी को परास्त किया।
- ▸▸| अंडर-15 बॉयज डबल्स में जतिन कुमार (रोहतक) व समर्थ भारद्वाज (हिसार) की जोड़ी ने आर्यन (गुरुग्राम) और जयेश दुग्गल (पंचकूला) की जोड़ी को हराया।
- ▸▸| अंडर-17 बॉयज डबल्स में हर्षित (कुरुक्षेत्र) व पार्थ गावरी (फरीदाबाद) की जोड़ी ने रोहतक के जयवर्धन व सुजल की जोड़ी को हराया।

### ये रहे परिणाम

- ▸▸| अंडर-15 मिक्स्ड डबल्स में फरीदाबाद के कुशाग्र गांधी व आद्या शर्मा की जोड़ी ने गुरुग्राम के सवीर व नव्या की जोड़ी को हराया।
- ▸▸| अंडर-17 मिक्स्ड डबल्स में वेदांत पाहवा (रोहतक) व अनन्या नेगी (फरीदाबाद) की जोड़ी ने रोहतक के सुजल व अर्षिता सैनी की जोड़ी को पछाड़ा।
- ▸▸| अंडर-15 गर्ल्स सिंगल्स में फरीदाबाद की अद्विका सिंह ने फरीदाबाद की आद्या शर्मा को परास्त किया।
- ▸▸| अंडर-17 गर्ल्स सिंगल्स में सोनीपत की अक्षिता ने गुरुग्राम की अद्विका वर्मा को हराया।
- ▸▸| अंडर-15 बॉयज सिंगल्स में गुरुग्राम के आर्यन ने रोहतक के जयवर्धन को हराया।
- ▸▸| अंडर-17 बॉयज सिंगल्स में रोहतक के वेदांत पाहवा ने पानीपत के ईशान नांदल को पराजित किया।
- ▸▸| अंडर-15 गर्ल्स डबल्स में फरीदाबाद की अद्विका सिंह व वैभवी शेखर की जोड़ी ने ज्योति (हिसार) व परी (कुरुक्षेत्र) की जोड़ी को पछाड़ा।

### स्वतंत्रता दिवस समारोह में रही देशभक्ति की धूम

रोहतक। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान खरावड़ में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से हुई, जिसके बाद संयोजक पिंकी देवी ने सभी को आजादी पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर लगभग 100 से 120 प्रशिक्षणार्थियों ने भाषण, विचार-विमर्श और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्वतंत्रता की थीम "नया भारत" पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में समाजसेविकाओं मिथिलेश और पूनम पंडित ने प्रशिक्षणार्थियों को स्वतंत्रता के महत्व और सामाजिक बुराइयों से एकजुट होकर लड़ने का संदेश दिया। वहीं पिंकी देवी ने प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि अगस्त व सितंबर माह में संस्थान की ओर से मशरूम फार्मिंग, फोटो फ्रेमिंग और ज्वेलरी मेकिंग जैसे निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान भोजन, चाय और आवश्यक सामग्री का प्रबंध संस्थान करेगा।

## बीएमयू में पुस्तक 'भारतीय राजनीति में युवाओं का योगदान' का विमोचन

- युवा समाज की रीढ़ और किसी भी राष्ट्र की राजनीति, नीतियों तथा भविष्य की दिशा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

**रोहतक।** बीएमयू में 'भारतीय राजनीति में युवाओं का योगदान' पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. डॉ. एचएल वर्मा, रजिस्ट्रार प्रो. डॉ. विनोद कुमार व अन्य स्टाफ।

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में भारतीय राजनीति में युवाओं का योगदान शीर्षक नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। इसका लेखन विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. मन्जीत कुमार तथा शोधार्थी सोनिका कादियान ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. एचएल वर्मा ने कहा कि युवा समाज की रीढ़ हैं और किसी भी राष्ट्र की राजनीति, नीतियों तथा भविष्य की दिशा तय करने में उनकी भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होती है। यह पुस्तक आने वाली पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगी और शोधार्थियों को राजनीति के क्षेत्र में नई दृष्टि प्रदान करेगी।

कहा कि पुस्तक में युवाओं की राजनीति में बदलती भूमिका, उनके विचार-विमर्श, नीति-निर्माण और शासन व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव का गहन विश्लेषण किया गया है। आज के समय में युवाओं को तकनीकी ज्ञान, डिजिटल संसाधनों और आधुनिक विचारधाराओं से जोड़कर ही राजनीति को और सशक्त बनाया जा सकता है। रजिस्ट्रार प्रो. डॉ. विनोद ने दोनों लेखकों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि ऐसे प्रयास न केवल अकादमिक स्तर पर महत्वपूर्ण हैं बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणादायक हैं। यह पुस्तक निश्चित ही आने वाले समय में शोधार्थियों और पाठकों के लिए ज्ञान और प्रेरणा का स्रोत सिद्ध होगी। अधिष्ठाता डॉ. नवीन कपिल, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. सुधीर मलिक, डीन डॉ. बी.एम. यादव, सभी विभागों के डीन, खेल निदेशक डॉ. अनिल डूडी, जनसंपर्क अधिकारी राम मेहर शर्मा, एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारीगण, शोधार्थी पंकज राणा सहित अनेक शोधार्थी एवं वरिष्ठ स्वयंसेवक सृष्टि मलिक, हर्ष और अन्य विद्यार्थी मौजूद रहे।

## शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस मनाया

रोहतक। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वाधान एवं हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संरक्षित शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोहाना रोड में स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या द्वारा ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसके बाद विद्यालय परिसर में देशभक्ति की गूंज फैल गई। प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि यह हमारे लिए आत्मचिंतन और संकल्प का दिन है। हमें उन वीर सपूतों को सदैव याद रखना चाहिए जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें यह स्वतंत्रता दिलाई। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ देशभक्ति, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को अपनाना चाहिए, ताकि वे न केवल अपने जीवन में सफलता प्राप्त करें, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी योगदान दें। विद्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में सुभाष तायल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक तिथि या औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह हमारे लिए अपने गौरवशाली इतिहास को याद करने और भविष्य के प्रति नई जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लेने का अवसर है। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. आदित्य बत्रा, उपाध्यक्ष उद्योगपति करन विग, प्रबंधक राम चरण सिंगला, कोषाध्यक्ष एसके गुप्ता एवं डॉ दिनेश मदान ने विद्यालय द्वारा आयोजित समारोह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में देशभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों का संचार करते हैं।

## गोगामेड़ी धाम, मकड़ौली कला में भारत विकास परिषद् ने लगाया रक्तदान

**रोहतक।** समाज सेवा एवं मानव कल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए भारत विकास परिषद् सैक्टर शाखा द्वारा रविवार को महंत प्रदीप नाथ के सानिध्य में गोगामेड़ी धाम, मकड़ौली कला स्थित प्रांगण में आठवां रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। महंत प्रदीप नाथ व माता कविता देवी ने रक्तदान की शुरुआत कर सभी का हौसला अफजाई की। इस शिविर में स्थानीय नागरिकों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए 46 यूनिट जीवनदायी रक्त दान कर मानवता की अमूल्य सेवा की। रक्तदान के साथ-साथ परिषद् ने जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए व्यापक चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध कराईं। शिविर में 178 लोगों का रक्तचाप एवं शुगर परीक्षण किया गया। नेत्र-जांच केंद्र में 112 व्यक्तियों की आंखों की जांच की गई तथा 78 लाभार्थियों को भारत विकास परिषद् सैक्टर शाखा की ओर से निःशुल्क चश्मे प्रदान किए गए। अध्यक्ष रमेश अहलावत ने रक्तदान को सर्वोत्तम दान बताते हुए कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। यह न केवल किसी जरूरतमंद को जीवन प्रदान करता है, बल्कि समाज में सहयोग, सद्भावना और भाईचारे की भावना को भी प्रबल करता है। सचिव तरुण गुप्ता ने बताया कि परिषद् समय-समय पर ऐसे शिविर लगाकर समाज को स्वास्थ्य व सेवा की दिशा में जागरूक करती रही है और आगे भी यह परंपरा निरंतर जारी रहेगी।

## न्यूज डायरी

महम। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कार्यक्रम प्रस्तुत करती आर्य स्कूल मदीना की छात्राएं।

### आर्य स्कूल मदीना में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

**महम।** आर्य स्कूल मदीना में स्वतंत्रता दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय प्रबंधक अशोक दांगी ने तिरंगा झंडा फहराकर राष्ट्रीय गान के साथ समारोह की शुरुआत की। उन्होंने इस दौरान देश को आजादी दिलाने वाले वीरों को याद किया। बच्चों को इस आजादी को बरकरार रखने के लिए प्रोत्साहित किया। बच्चों ने स्वागत गीत गाकर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। सुदामा श्री कृष्ण के मिलन की झांकी ने सभी को भावविभोर कर दिया। छोटे-छोटे बच्चों की फैंसी ड्रेस ने सभी को आनंदित कर दिया। इंटर हाउस नृत्य प्रतियोगिता में बच्चों ने सुंदर नृत्य द्वारा इस उत्सव में चार चांद लगा दिए। प्रधानाचार्य ने हाथ उठाकर बच्चों को देश सेवा, प्रकृति संरक्षण की शपथ दिलाई व हमेशा ही अपने पर्यावरण देश गुरुजनों की सेवा करने का

### आदर्श स्कूल मदीना में दिखा देशभक्ति का उत्साह

महम। ध्वजारोहण समारोह में भाग लेते आदर्श स्कूल मदीना के शिक्षक।

**महम।** मदीना स्थित आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शैक्षणिक निदेशक मधुमती व उप-प्रधानाचार्य अंशु हुड्डा ने ध्वजारोहण के साथ किया। इसके उपरांत सभी ने राष्ट्रगान गाकर देश के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य, कविताएं और भाषण प्रस्तुत किए। सबसे खास प्रस्तुति ऑपरेशन सिंदूर नामक नाटक रहा। जिसमें सैनिकों की बहादुरी और देश के लिए उनके बलिदान को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। शैक्षणिक निदेशक मधुमती ने अपने संबोधन में बच्चों को देश की प्रगति में सक्रिय योगदान देने तथा राष्ट्रप्रेम की भावना सदैव बनाए रखने का संदेश दिया।

### एमडीएन स्कूल में मनाई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

**रोहतक।** त्योहार मनुष्य जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये समाज में सांस्कृतिक सद्भाव का वातावरण बनाते हैं। बच्चों को अपनी संस्कृति का ज्ञान कराने के लिए एमडीएन विद्यालय के बहुउद्देशीय सभागार में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। सर्वप्रथम विद्यालय की प्रबंधक रेनू नरवाल और प्रधानाचार्या मीनू टहल्यानी ने बाल गोपाल को भोग लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बच्चों ने श्री कृष्ण के जन्म से लेकर द्वारका के राजा बनने तक के कालखंड को मनमोहक झांकियों के माध्यम से दर्शाया। श्री कृष्ण के चित्रों, छींके पर रखी माखन की मटकी , बांसुरी तथा फूलों, से की गई सजावट को देखकर सभी के मन प्रफुल्लित हो रहे थे। सभी बच्चों ने राधा कृष्ण की वेशभूषा में उनके जन्म के समय का दृश्य, यमुना पार करने का प्रसंग तथा गोपियों के साथ की गई रासलीला को बड़े ही आकर्षक रूप में प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय के प्रांगण में लगभग 20 फुट की ऊंचाई पर बंधी दही- हांडी फोड़ने की अंतर सदनीय प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें क्यूरोसिटी सदन प्रथम, कर्टसी सदन द्वितीय तथ करेज सदन तृतीय स्थान पर रहा। यह दृश्य विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। अंत में विद्यालय की प्रबंधक रेनू नरवाल और प्राचार्या मीनू टहल्यानी ने कृष्ण

### पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज में मनाया स्वतंत्रता दिवस

**रोहतक।** पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय, सुनारिया में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक अशोक कुमार ने ध्वजारोहण कर सलामी दी और परेड का निरीक्षण किया। परेड कमांडर उप निरीक्षक नवीन कुमार के नेतृत्व में आयोजित परेड ने अनुशासन और जोश का प्रदर्शन किया। पुलिस बैंड की धुनों और देशभक्ति नारों ने पूरे वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। अपने संबोधन में अशोक कुमार ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को ईमानदारी, निष्ठा और अनुशासन के साथ कर्तव्य पालन की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में मार्च पास्ट के बाद विजेता प्लाटून कमांडरों को सम्मानित किया गया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

## सुनारियां गांव में गोगा नवमी पर मेले का आयोजन

# बाबा शिखर वाले मंदिर में 100 वर्षों से जल रही अखंड ज्योत

- ▸▸| रेत के ऊंचे टीले पर स्थित है मंदिर
- ▸▸| हजारों की संख्या में आते हैं श्रद्धालु
- ▸▸| माथा टेक लोग मांगते हैं मन्नतें

**रोहतक (हरिभूमि न्यूज)।** सुनारियां गांव में स्थित बाबा शिखर वाले मंदिर पर इस साल भी गोगा नवमी के मौके पर विशाल मेला, हवन और भंडारे का आयोजन किया गया। मेले में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और बाबा शिखर वाले के दर्शन कर मनोकामनाएं मांगी। ग्रामीणों के अनुसार, यह धार्मिक आयोजन पिछले सौ वर्षों से निरंतर हर साल गोगा नवमी के दिन आयोजित किया जा रहा है। मंदिर में सुबह सबसे पहले हवन का आयोजन किया गया और बाद में भंडारा आयोजित किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद लिया। मेले में कुश्ती दंगल भी आयोजित किया जाता है, जो इस क्षेत्र की एक अहम परंपरा है।

### श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास

मंदिर के बारे में मान्यता है कि यहां पहले घने जंगल और कच्चे रास्ते हुआ करते थे। श्रद्धालु बैल गाड़ियों में बैठकर यहां दर्शन के लिए आते थे। आज यह स्थान एक भव्य मंदिर के रूप में विकसित हो चुका है। यहां एक विशाल पेड़ भी है। मान्यता है कि बाबा शिखर वाले यहां पर तपस्या किया करते थे। मंदिर ने दशकों से लोगों की आस्था और विश्वास को मजबूत किया है। यहां पर होने वाले आयोजनों में दूर-दूर से आए श्रद्धालु भी भाग लेते हैं। यह लोगों की आस्था और विश्वास का प्रतीक बन चुका है। बाबा शिखर वाले में सुनारियां और आसपास के क्षेत्र में लोगों की गहरी आस्था और विश्वास है।

### शिखर वाला मंदिर का इतिहास

शिखर वाला मंदिर का इतिहास डेढ़ सौ साल पुराना है। मंदिर रेत के ऊंचे टीले पर स्थित है। इसी कारण इसे शिखर वाला के नाम से जाना जाता है। मंदिर की मान्यता दर्जनों गांव में है, और यहां हर साल गोगा नवमी के दिन श्रद्धालु आते हैं। लोगों का मानना है कि बाबा शिखर वाले की कृपा से मनोकामना पूरी होती है। मंदिर के अंदर 24 घंटे अखंड ज्योति जलती रहती है, जो श्रद्धालुओं के लिए आस्था और विश्वास का प्रतीक है। शिखर वाला मंदिर में एक विशेष पूजा की परंपरा है, जिसमें 40 दिन तक नियमित रूप से बाबा की मूर्ति के सामने घी का दीपक जलाना और बाबा का सवा पांच मीटर का भगवा बाणा चढ़ाया जाता है। ऐसा करने से उनकी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

hartron ISO 9001 : 2015
Enhance your talent
HARTRON
SKILL CENTRE For
Computer Education & Training
M.7206002575, 8929411222
Above IDBI Bank, Power House, Chowk, Rohtak
ADMISSION OPEN-2025

| Sr. No. | Name of Course | Course Duration |
|---|---|---|
| 1. | Computer Hardware and Networking Associate | 52 (Weeks) |
| 2. | Course In Computer Application | 52 (Weeks |
| 3. | Course in Digital Accounting | 52 (Weeks |
| 4. | Course in Designing and Publishing | 52 (Weeks |
| 5. | Course in Web Technology | 52 (Weeks |
| 6. | Course in Software Development | 52 (Weeks |
| 7. | Advanced Course in Computer Application | 52 (Weeks |
| 8. | Digital Marketing Assistant | 26 (Weeks |
| 9. | Software Or Application Testing Assistant | 26 (Weeks |
| 10. | Assistant PHP Developer | 26 (Weeks) |
| 11. | Hardware Peripheral and Installation Assistant | 26 (Weeks |
| 12. | Application Development -Android | 26 (Weeks |
| 13. | Course in IT Foundation and Tools | 26 (Weeks |
| 14. | Certificate Course in Computer Basics & Accounting | 26 (Weeks) |
| 15. | Certificate Course in Web Designing and Multimedia | 26 (Weeks |
| 16. | C Language | 04 (Weeks |
| 17. | C Plus Plus With Oops | 08 (Weeks) |
| 18. | PHP With Mysql | 04 (Weeks) |
| 19. | Core Java | 06 (Weeks |
| 20. | Advance Java | 08 (Weeks |
| 21. | Financial Accounting | 06 (Weeks) |
| 22. | Autocad | 08 (Weeks) |
| 23. | Fundamentals of Cyber Security | 06 (Weeks) |
| 24. | Programming with Python | 12 (Weeks) |
| 25. | Fundamentals of Computer | 12 (Weeks) |

ADARSH COLLEGE OF EDUCATION
Adarsh School Of Nursing
MADINA, ROHTAK
Affiliated to Haryana Govt. HNRC & INC
ADMISSION OPEN
ANM 2 YEARS
GNM 3 YEARS
JBT 2 YEARS
LIMITED SEATS
SC/ST को सरकार से 100% फीस छात्रवृति
ELIGIBILITY: 10+2 in any stream with 45% Marks
SC/BC with 40% Marks | AGE LIMIT: 17-35 Years.
Required Nursing Tutors
रोहतक और नजदीक के गांव से बस सुविधा उपलब्ध
Mob.: 8307117069, 9306840763, 9485578148
Email: adarshschoolmadina@gmail.com

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- RMO 4
- ICU STAFF 6
- MRI TECHNICIAN 1
- PRO/MARKETING EXECUTIVE 2
- COMPUTER OPERATOR 1
- SWEEPER NIGHT 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

S.V. COLLEGE
18 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत
हेल्थकेयर क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका
Courses:- Limited Seats
DMLT | HOSPITAL MANAGEMENT
DOTT | Radio & Medical Imaging Technology
Eligibilty 12th in any Stream
All Para Medical Course
(6 Month Certificate, 2/3 Years Programme)
UNDER UGC & MHRD (Govt. of India) Approved
Online Course
(नौकरी के साथ पढ़ाई)
BA - MA | B. COM - M. COM
BCA - MCA | LLB - LLM
BBA - MBA | & many more...
UGC-अप्रूव्ड कोर्स के साथ काउंसिलिंग रजिस्ट्रेशन भी करवाया जाता हैं।
Jind Hissar Bypass Railway Bridge, (Nehru Colony) Rohtak -124001
98126-69100, 94665-10173

## खबर संक्षेप

### सफाई कर्मियों ने जयहिन्द का किया सम्मान

**रोहतक।** नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने अपनी तीन महीने से रुकी हुई तनख्वाह मिलने और नौकरी से हटाए जाने का संकट टलने पर रविवार को सामाजिक कार्यकर्ता नवीन जयहिन्द का आभार जताया। सभी कर्मचारी सामूहिक रूप से उनके निवास पर पहुंचे और फूल मालाओं से उनका स्वागत कर मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।गौरतलब है कि पिछले दिनों सफाई कर्मचारियों ने तनख्वाह और नौकरी की सुरक्षा को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान नवीन जयहिन्द ने समर्थन करते हुए प्रशासन के समक्ष मजबूती से आवाज उठाई थी।

### सैमाण में सतगुरु मंदिर की जमीन के मुद्दे पर हुई पंचायत

**महम।** रविवार को सैमाण गांव के सतगुरु मंदिर में ग्रामीणों की एक पंचायत हुई। इस दौरान मंदिर की जमीन के मालिकाना हक को लेकर चर्चा की गई। पंचायत आयोजकों ने बताया कि मंदिर की जमीन महंत के नाम पर होने वाली है। इस पर महंत सतीश दास ने बताया कि मंदिर के नाम पर पहले से कोई जमीन नहीं है। यह जमीन गुरु चेला परंपरा के तहत धौलीदार के हिसाब से चलती आ रही है। अब वे इस जमीन के धौलीदार हैं। उनसे पहले जो महंत थे, तब वे जमीन की देखरेख करते थे। मेरे बाद जो महंत होगा, वह इसकी देखरेख करेगा। जमीन कहीं नहीं जा रही। महंत सतीश दास ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में मंदिर की जमीन को बढ़ाया है। वे जमीन खरीदने के हक में हैं, वे बेचने की सोच नहीं रखते। महंत सतीश दास ने पंचायत में जमीन के कागजात भी दिखाए। जिनमें वे जमीन के धौलीदार हैं। सैमाण, भैणीसुरजन और भैणीभैरों समेत आस पास के इलाके में उनकी सैकड़ों एकड़ जमीन है।

### ऑनलाइन नुकसान दर्ज न कर पाने से किसान नाराज, आज फिर अधिकारियों से मिलेंगे

# फसलों में नुकसान पानी से हुआ और क्षतिपूर्ति पोर्टल पर ऑप्शन आग का, असमंजस में किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अमरजीत एस गिल

प्रदेश में पोर्टल को लेकर आए दिन सवाल खड़े होते रहते हैं। ये हर कोई जानता है कि इस सिस्टम ने लोगों को कितना परेशान किया हुआ है। अब एक और नया मामला सामने आया है। किसानों द्वारा एक महीने तक मिन्नतें करने के बाद बरसात से फसलों में हुए नुकसान को दर्ज करने के लिए सरकार ने क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला। लेकिन इस पर बाढ़ की बजाय आगजनी का ऑप्शन दे दिया। दो दिन से किसान गलत विकल्प की वजह से क्षति दर्ज नहीं कर पा रहे हैं। जबकि हानि दर्ज करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित की गई है। किसानों का कहना है कि इस बारे में सोमवार को अधिकारियों से मिला जाएगा। किसान सभा के प्रदेश महा सचिव सुमित दलाल ने कहा कि सरकार ने किसानों का मजाक बना दिया है। क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला तो अब हरजा दर्ज करने के लिए पानी की बजाय आग ऑप्शन दे दिया। ऐसे में किसान कैसे अपना नुकसान दर्ज करेंगे।

रोहतक। पोर्टल पर ये दिखा रहा।

#### बनाया है पारदर्शिता के लिए

सरकार ने प्रदेश में आई बाढ़ और अतिवृष्टि से लोगों को हुई कठिनाइयों को कम करने के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल लांच किया हुआ है। इस पर लोग अपने घर, पशुधन, फसलों, वाणिज्यिक और चल-अचल संपत्ति की क्षति व नुकसान की जानकारी दर्ज करते हैं। ये प्रक्रिया पूरी होने के बाद सरकार की तरफ से प्रभावित किसानों या अन्य किसी को मुआवजा देती है। दो साल पहले तक केवल किसान ही पोर्टल पर नुकसान दर्ज कर सकते हैं। लेकिन अब कोई भी पीड़ित इस पर अपना नुकसान पंजीकृत करवा सकता है। पोर्टल का मकसद जनता द्वारा आवेदन जमा करने की प्रक्रिया को आसान बनाना है। साथ ही प्रभावित लोगों को हुए नुकसान के समयबद्ध तरीके से सत्यापन और मुआवजे के वितरण की प्रणाली में पारदर्शिता लाना है।

#### मेरी फसल मेरा ब्योरा पर रजिस्ट्रर करवाना जरूरी

फसलों की कटाई के समय कोई हादसा हो जाता है तो किसानों को मुआवजे के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल पर ही नुकसान दर्ज करना होता है। नुकसान तभी दर्ज होगा, जब किसान ने फसल मेरी फसल मेरा ब्योरा पर रजिस्ट्रर की हो। बिना पंजीकरण के नुकसान दर्ज नहीं हो सकता है। नुकसान ही नहीं, बल्कि किसी योजना का लाभ मेरा फसल मेरा ब्योरा पर रजिस्ट्रर होने के बाद ही मिलता है।

#### पारदर्शिता के आड़े अमूमन पोर्टल आता रहता है

पोर्टल पर नुकसान दर्ज होने के बाद उससे संबंधित सभी प्रकार जानकारी सरकार के पास अपने आप ही पहुंच जाती है। फिर सरकार किसानों द्वारा दर्ज की गई जानकारी का फिजिकल सत्यापन करवाती है। अगर जानकारी दुरुस्त है तो मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू होगी। जानकारी गलत होने पर उसे निरस्त कर दिया जाता है। मुआवजे का पैसा भी पोर्टल के माध्यम से पीड़ित के बैंक खाते में सरकार जमा करवाती है। प्रदेश सरकार सभी विभाग तकरीबन सभी कार्य ऑनलाइन ही करते हैं। अगर सरकार ने किसी को अनुदान वगैरह देना है तो उसके लिए आवेदन भी ऑनलाइन लिए जाते हैं। इस प्रक्रिया से अनुदान देने की प्रक्रियाओं में पारदर्शिता काफी आई है। लेकिन इस पारदर्शिता के आड़े अमूमन पोर्टल आता रहता है।

#### पोर्टल बार-बार बंद, ऑनलाइन के लिए लाइन

ध्यान रहे कि पोर्टल समेत आईटी से संबंधित कार्य करने के लिए सरकार के पास पूरा सिस्टम है। जिला स्तर पर जिला सूचना विज्ञान केंद्र काम करता है। बावजूद इसके आमतौर पर पोर्टल सही काम नहीं करता। पोर्टल से लोगों को परेशानी हो रही है, खासकर तहसील में। इंटरनेट की धीमी गति और पोर्टल के बार-बार बंद होने के कारण पब्लिक लाइन में खड़ी रह जाती है। इसके कारण लोगों को अपने काम पूरे करने के लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। बावजूद इसके पोर्टल को लेकर लोगों के सामने दिक्कतें खड़ी ना हो, इसके लिए ठोस प्रयास किए नहीं जाते।

## विभाजन की विभिषिका आयोजन के लिए पंजाबी समाज ने सीएम और केंद्रीय मंत्री का आभार जताया

महम। विभाजन की विभिषिका कार्यक्रम में भाग लेने वाले पंजाबी समाज के लोग एकजुटता का परिचय देते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

फरीदाबाद में आयोजित किए गए राज्य स्तरीय कार्यक्रम विभाजन की विभिषिका के आयोजन के लिए महम के पंजाबी समाज ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का आभार जताया है। नगर पालिका के वाइस चेयरमैन बसंत लाल गिरधर ने कहा कि विभाजन विभीषिका राज्य स्तर पर भारत सरकार और हरियाणा सरकार ने मिलकर मनाने का जो फैसला किया है वह बहुत ही सराहनीय है।। 14अगस्त 1947 को आजादी के समय पंजाबी समाज एवं ब्राह्मण समाज के महापुरुषों एवं पूर्वजों ने अपने हिन्दू धर्म की और अपनी मातृभूमि भारत की रक्षा के लिए कुर्बानी दी थी।

#### कुर्बानी को याद किया

हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए जो कुर्बानी दी उनको याद किया। इसी को ध्यान में रखते हुए महम का पंजाबी समाज विभाजन की विभिषिका कार्यक्रम को मनाने के लिए फरीदाबाद पहुंचा। डॉक्टर ओपी चिटकारा और पूर्व पार्षद सोमनाथ गिरोत्रा ने यात्रा को हरी झंडडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर बसंत लाल गिरधर, राजेश कुमार उर्फ राजू धींगड़ा, राकेश शर्मा, कालू रल्हन, पवन कुमार शर्मा, प्रेम धवन, सचिन गांधी, गुलशन रल्हन, मोहन दुआ, अनिल दुआ, कपिल तागरा, तिलक चोपड़ा, वजीर सिंह सैनी, अशोक रल्हन, दयानंद खट्टर,, अमित दुआ, कन्हैया लाल, प्रीतम गुलाटी, विजय शर्मा, कालू दुआ, बब्बू, वंश ढींगरा, सतीश, गोरा, दीपू, विनोद गिरधर, करण कुमार, वरुण कुमार, दीपक रोहित व कृष्ण मौजूद रहे।

## प्रतियोगिता में छाए डीजीवी स्कूल के छात्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

खंड स्तरीय स्कूल प्रतियोगिता मॉडल संस्कृति, सांपला में आयोजित हुई, जिसमें डीजीवी स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। कराटे में अंडर-14 गर्ल्स वर्ग में तेजस्वी, निष्ठा और परी खत्री ने दमखम दिखाया, वहीं अंडर-17 में भक्ति शर्मा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। लड़कों के कराटे वर्ग में अंडर-14 में वंश और शिवम का चयन हुआ, जबकि अंडर-17 में यश, हर्ष, गर्वित, शुभम और विकसित ने मॉडल संस्कृति स्कूल में अपनी जगह बनाई। अब ये सभी विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। लॉन टेनिस और

बेडमिंटन अंडर-19 वर्ग में भक्ति शर्मा का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ। क्रिकेट अंडर-14 मे हर्षुल, अंडर-17 टीम में कप्तान पार्थ मालिक, नितेश, हेमंत सैनी, जतिन, आदित्य और मयंक सोनी व अंडर 19 मे सागर सचदेवा और यथेष्ठ का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। चेस प्रतियोगिता मे उत्सव का अंडर-17 मे चयन हुआ। डीजीवी स्कूल की डायरेक्टर ग्रेटल शर्मा और जॉइंट डायरेक्टर सांची शर्मा ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन विद्यार्थियों ने अपने माता-पिता और विद्यालय का नाम गर्व से ऊंचा किया है। अध्यापक नीतू मलिक, नीतू गांधी, लवलीन भाटिया और सुनीता खुराना ने भी सभी बच्चों को बधाई दी।

## जैन सभा का चुनाव सम्पन्न, रवि जैन बने प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जैन सभा रोहतक त्रिवार्षिक 2025 - 28 चुनाव की निर्धारित अधिसूचना अनुसार शासकीय निकाय सदस्य के 8 पद के लिए 12 प्रत्याशी व पदाधिकारी के 5 पद : प्रधान, उपप्रधान, सचिव, सह सचिव व कोषाध्यक्ष पद पर दो-दो प्रत्याशी मैदान में रहे थे। जिसके लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जैन पब्लिक स्कूल, माता दरवाजा, जींद रोड में गुप्त मतदान द्वारा प्रातः 8 से दोपहर 2 बजे तक चुनाव सम्पन्न हुआ।

इसमें नवनिर्वाचित 65 कोलिजियम सदस्यों , मतदाताओं ने

रोहतक। जैन सभा प्रधान रवि जैन बनने पर बधाई देते समाज सेवी राजेश जैन व अन्य पदाधिकारी।

भाग लिया। चुनाव को निष्पक्ष विधिवत रूप से पूरा करवाने के लिए जिला रजिस्ट्रार सोसाइटी को अपना प्रतिनिधि नियुक्त करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा निवेदन किया गया था। जिसके अनुसार जिला रजिस्ट्रार सोसाइटी द्वारा अपने प्रतिनिधि के रूप में सतीश कुमार को नियुक्त किया गया। उन्होंने समय समय पर चुनाव स्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया व चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त किए गए पर्यवेक्षों के सहयोग से चुनाव को निष्पक्ष रूप से सम्पन्न करवाया। शासकीय निकाय सदस्य, पदाधिकारी गुप्त मतदान द्वारा निर्वाचित हुए प्रत्याशियों में प्रधान रवि जैन, उप प्रधान अतुल जैन लोहिया, सचिव मनीष जैन, सह सचिव अमित जैन, कोषाध्यक्ष मुकेश जैन, शासकीय निकाय सदस्य अजय जैन, अमित जैन, आशीष जैन, अशोक जैन, आशु जैन, अतुल जैन, मनोज कुमार जैन, प्रवीन जैन निर्वाचित हुए।

## कैटलबैल में दिल्ली प्रथम स्थान पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

कैटलबैल स्पोर्ट एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के तत्वाधान में कैटलबैल की राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 15 अगस्त से 17 अगस्त तक एसआरएस पब्लिक स्कूल में किया गया। प्रतियोगिता संयोजक शु तारावथ ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन सब–जूनियर, जूनियर, सीनियर तथा वैटर्न वर्ग में ऑनलाईन तथा ऑफ लाईन दोनों मोड में करवाया गया जिसमें पूरे भारतवर्ष से 12 राज्यों के 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि निर्मल शर्मा चेयरपर्सन एसआरएस ग्रुप ऑफ

इंस्टिट्यूटस ने सभी विजेताओं को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने सभी खिलाड़ियों को अनुशासन में रहने तथा खेल भावना को आगे बढाने के लिए आह्वान किया। प्रतियोगिता में दिल्ली की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा हरियाणा की टीम दूसरे स्थान पर रही तथा उत्तराखंड की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर श्वेता शर्मा डायरेक्टर अकेडमिक्स ने भी विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर अशोक, शमशेर सिंह, अनुप राठी, डॉ. ओमबीर हुड्डा, हर्ष, देव बलहारा आदि मौजूद थे।

## मोखरा के कन्या स्कूल में सेवानिवृत्त फौजी ब्रह्म सिंह ने फहराया तिरंगा

महम। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान ध्वजारोहण कार्यक्रम में भाग लेते मोखरा कन्या स्कूल के शिक्षक व विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मोखरा में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान गांव के सेवानिवृत फौजी ब्रह्म सिंह ने ध्वजारोहण किया। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिंसिपल बबीता ने की। इस मौके पर रामकुमार, राजबीर, कप्तान, रामकिशन, रिसालदार, बलवान सिंह, अशोक, हवलदार सत्यनारायण व हरज्ञान मौजूद रहे।

## एचडी स्कूल खेड़ी महम में हर्षोल्लास से मनाया गया जन्माष्टमी का त्योहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

गोहाना रोड स्थित एचडी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल खेड़ी महम में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही श्रद्धा व धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर रंग-बिरंगे परिधानों में बच्चों ने राधा-कृष्ण की झांकी प्रस्तुत की। छोटे - छोटे बच्चों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया। कक्षा नर्सरी से पांचवीं तक के बच्चे राधा-कृष्ण की वेशभूषा में बड़े ही मनमोहक नजर आ रहे थे। बच्चों ने पौराणिक परंपराओं के अनुसार यह पर्व मनाया। स्कूल प्राचार्या शालिनी गुप्ता ने सभी को कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई दी और श्रीकृष्ण की लीलाओं का अनुकरण कर जीवन को संवारने के लिए प्रेरित किया। स्कूल निदेशक कुलवंत नहरा ने सभी को कृष्ण जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए अपने संबोधन में कहा कि हमें सदैव धर्म के मार्ग का अनुसरण कर अपना जीवन अच्छे

महम। कार्यक्रम प्रस्तुत करते एचडी स्कूल के विद्यार्थी।

कार्यों में समर्पित कर देना चाहिए। इन सांस्कृतिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा शिल्ड देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपप्राचार्या इंदु नहरा, विद्यालय सचिव संजीव छिल्लर के साथ समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि |
|---|---|---|
| 5 X 8 सें.मी<br>10X 8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 2500/-<br>रु. 3000/- |

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

### उत्कृष्ट कार्य के लिए आरएसडीबीएम ट्रस्ट को प्रशंसा पत्र

# रोहतक और चार गांवों में मरीजों के लिए फ्री शटल सेवा, 2500 परिवारों को हर महीने राशन, सीएम ने भ्याना का किया सम्मान

रोहतक। स्वतंत्रत दिवस के मौके पर आरएसडीबीएम ट्रस्ट के चेयरमैन सुमित भ्याना को प्रशंसा पत्र देते मुख्यमंत्री नायब सैनी।

#### सिविल सर्जन डॉ. रमेश चंद्र

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सराहनीय सेवाएं देने के लिए रोहतक के सिविल सर्जन डॉ. रमेश चंद्र को सम्मानित किया। डॉ रमेश चंद्र ने जब से यहां कार्यभार सम्भाला है, तभी से अनैतिक कार्य करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उनके कार्यकाल के दौरान जिले का लिंग अनुपात भी बढ़ा है।

#### जिला औषधि नियंत्रक डॉ. मनदीप मान

जिला औषधि नियंत्रक, रोहतक डॉ. मनदीप मान को जिले में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व नशा मुक्ति अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने पर सीएम नायब सिंह सैनी द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। जिले में की गई नशा विरोधी मुहिम के कारण न केवल नशा नियंत्रण में पूरी सफलता मिली।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राम सरन दास भ्याना मेमोरियल (आरएसडीबीएम) ट्रस्ट को इस बार भी सम्मान से नवाजा गया है। यह सम्मान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ट्रस्ट के चेयरमैन सुमित भ्याना को स्वतंत्रता दिवस समारोह के मौके पर दिया। बता दें कि आरएसडीबीएम ट्रस्ट पिछले कई साल से रोहतक शहर और आसपास के 4 गांवों में मरीजों के लिए निःशुल्क गाड़ी उपलब्ध करवाने का कार्य कर रहा है। किसी मरीज को जरूरत हो तो ट्रस्ट की कार मरीज को घर से लेकर आती है और अस्पताल में पहुंचाती है। यही नहीं ट्रस्ट के सेवादार इलाज होने के बाद मरीज को वापस घर भी छोड़कर आते हैं। इसके अलावा रोहतक शहर में ट्रस्ट के साढ़े 4 हजार सदस्य हैं। ट्रस्ट की ओर से करीब 2500 जरूरतमंद परिवारों को हर महीने रसोई का राशन भी दिया जाता है। ट्रस्ट के चेयरमैन सुमित भ्याना ने बताया कि शहर के साथ गांव मायना, भाली, सैंपल और बसाना में निःशुल्क गाड़ी की सेवा मरीजों के लिए उपलब्ध करवाई गई है। ट्रस्ट भविष्य में और भी योजनाओं पर काम कर रहा है। आज मुख्यमंत्री नायब सैनी जी ने जो सम्मान दिया है वो उत्साह बढ़ाने वाला है, समाज सेवा के क्षेत्र में और भी कार्य किए जाएंगे।

### मदवि में स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया

**रोहतक।** महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में 79 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने इस अवसर पर युवाओं को नशे से आजादी का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब हम देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, यह आवश्यक है कि हम नशे की गुलामी से मुक्ति पाएं। कुलपति ने कहा युवाओं से आह्वन किया कि नशे से खुद को दूर रखें, और दूसरों को भी प्रेरित करें। उन्होंने एक नशा मुक्त भारत की दिशा में आगे बढ़ने की बात कहते हुए कहा कि यही आज के दिन की सच्ची श्रद्धांजलि होगी हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को, जिन्होंने अपनी जान देकर हमें आजादी दिलाई।

समारोह में टिटौली गांव का पांच पीढ़ियों से नशा मुक्त 44 सदस्यों वाला परिवार की मुखिया कमला देवी ने ध्वजारोहण किया। यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का भी आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कैंपस स्कूल की निदेशिका प्रो. सुनीता सैनी ने स्कूल की विकास यात्रा का ब्यौरा दिया।